an>

Title: Need to conduct CBI enquiry into the alleged rape cases reported from Uttarakhand.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय अध्यक्ष महोदया, उत्तराखंड शांति और अध्यात्म का केन्द्र रहा है। पूरी दुनिया के लोग इस बात से विज्ञ हैं कि उत्तराखंड एक ऐसा प्रदेश, क्षेत्र एवं स्थान है, जहां कानून-व्यवस्था रहती है और हर व्यक्ति सुरक्षित रहता है। लेकिन पिछले एक वर्ष में जिस तरीके से अंधाधुंध वहां हत्या, बलात्कार की घटनाएं बढ़ी हैं, इसने निश्चित रूप में न केवल उत्तराखंड को, बल्कि पूरे देश का दिल दहला दिया है। अभी हल्दवानी में सात वर्षीय अबोध बालिका विवाह में गई थी, 20 नवम्बर से उसके लापता होने की सूचना थी। पांच दिन के बाद उसका शव बरामद हुआ। उसके साथ दुष्कर्म किया गया। उसके हाथ-पांव काट करके नदी के किनारे फेंक दिए गए।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इससे पूरा उत्तराखंड सड़कों पर है, क्योंकि इससे कुछ ही दिन पहले एक पर्यटक महिला शोभिता दास गुड़गांव में अंतरराष्ट्रीय विद्यालय में अध्यापिका थी। वह लाखामंडल में घूमने के लिए गई थी। उसके साथ बलात्कार किया गया और उसके बाद उसकी हत्या कर दी गई।...(व्यवधान) इतना ही नहीं, भगवानपुर में सोलनी नदी के पास 14 वर्षीय बालिका का बलात्कार हुआ।...(व्यवधान) उससे पहले फेरूपुर में घटना हुई।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि चाहे देहरादून की पॉश कालोनी में हत्या हो रही हो, श्रीमती सैनी की घर के अंदर हत्या की गई हो, दर्जनों हत्याएं महिलाओं के साथ बलात्कार करके उत्तराखंड की धरती पर हो रही हैं।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से यह मांग करना चाहता हूं कि पूरे विश्व और देश के लिए उत्तराखंड बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। वह अध्यात्म का केन्द्र है, भारत की संस्कृति का प्राण है। उसकी रक्षा, सुरक्षा भारत सरकार की भी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसलिए मैं आपसे विनम्र तरीके से अनुरोध करना चाहता हूं कि तत्काल प्रभाव से वहां की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कड़े से कड़े कदम उठाए जाएं।

माननीय अध्यक्ष:

श्री पी.पी. चौधरी को डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।